जीवन–वृत्त

(Bio-Data)

डॉ. श्रीकांत सिंह

प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
हिन्दी–विभाग (स्नातकोत्तर केन्द्र)
कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस, पटना – 800 020
मो0 न0 : 9470466179
ई–मेल :**shreekant.singh65@gmail.com**

1. जन्म तिथि : 12 जनवरी, 1967

2. शैक्षणिक योग्यता :
   1. पी–एच0डी0, पटना विश्वविद्यालय, 1997
   2. NET-JRF परीक्षा उत्तीर्ण, यू0जी0सी0, 1991
   3. स्नातकोत्तर (हिन्दी), प्रथम, पटना विश्वविद्यालय, 1990
   4. स्नातक हिन्दी (प्रतिष्ठा), प्रथम श्रेणी में प्रथम, मगध विश्वविद्यालय, 1988
   5. स्नातक (पासकोर्स), प्रथम, मगध विश्वविद्यालय, 1987
   6. इन्टरमीडिएट, द्वितीय, बिहार इन्टरमीडिएट कौंसिल, 1985
   7. माध्यमिक, प्रथम, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, 1983

3. नियुक्ति :
   1. बिहार राज्य विश्वविद्यालय (अंगीभूत) सेवा आयोग द्वारा मगध विश्वविद्यालय सेवा में नियुक्ति की अनुशंसा, 4 नवम्बर, 1996
   2. मगध विश्वविद्यालय सेवा में योगदान, 6 नवम्बर, 1996

4. शैक्षणिक अनुभव :

   जुलाई, 1993 से अबतक स्नातक (हिन्दी प्रतिष्ठा) व स्नातकोत्तर (हिन्दी) कक्षाओं तक शिक्षण–कार्य :–

   1ण बतौर जे0 आर0 एफ0, हिन्दी–विभाग, पटना विश्वविद्यालय (जुलाई 1993–अक्टूबर 1996)

   2ण बतौर व्याख्याता, हिन्दी–विभाग, एस0 यू0 कॉलेज, हिलसा (नालंदा), मगध विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई (दिसम्बर 1996–मई 2001)

   3ण बतौर वरीय व्याख्याता – उपाचार्य – एसोसिएट प्रोफेसर – प्रोफेसर, हिन्दी–विभाग, कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस, पटना (मई 2001–अबतक)

   4ण पिछले दसाधिक वर्षों से नालंदा खुला विश्वविद्यालय की स्नातक (हिन्दी प्रति0)/स्नातकोत्तर (हिन्दी) कक्षाओं में परामर्शदाता

5. शोध निर्देशन का अनुभव :

1. शोधार्थी : शशि उपाध्याय, विषय : प्राचीन भारत में ग्रंथ–प्रणयन, संस्थानः मगध विश्वविद्यालय, वर्ष : अक्टूबर 2012 में पी–एच0 डी0 परीक्षा उत्तीर्ण (सर्वथा सफल निर्देशन)
2. शोधार्थी : प्रशान्त केतु, विषय : डॉ शांति जैन की काव्य साधना, शोध प्रबंध जमा
3. अनौपचारिक रूप से समय–समय पर अनेक शोधार्थियों को शोध–निर्देशन व परामर्श

6. संयोजन/संपादन का अनुभव :

1ण कॉलेज ऑफ कॉमर्स, पत्रिका 'विमर्श' का संयोजक सह प्रधान संपादक (2007–2013)

2. सोशल रिसर्च जर्नल (ISSN : 0975-0274) के संपादकीय मंडल में सदस्य

3. दार्शनिक अनुगूंज (ISSN : 0975-2749) जर्नल की परामर्श–समिति में सदस्य

4ण कॉलेज ऑफ कॉमर्स की 'डिबेट सोसायटी' का संयोजक (2003–2007)

5. कॉलेज ऑफ कॉमर्स नैक टीम (2दक चक्र) के क्राइटेरियन II (Teaching, Learning and Evaluation) का संयोजक

6ण कॉलेज ऑफ कॉमर्स की ओर से आयोजित 'इंडक्शन–क मीट' (सत्र 2015–16) का संयोजक

7. महत्त्वपूर्ण/प्रतिष्ठित संस्थाओं की सदस्यता :

1ण आजीवन सदस्य, भारतीय हिन्दी परिषद्, इलाहाबाद (2013)

2ण आजीवन सदस्य/संरक्षक सदस्य, बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन, पटना (2013)

3ण आजीवन सदस्य, अखिल भारतीय दर्शन परिषद् (2012)

4ण आजीवन सदस्य, बिहार दर्शन परिषद् (2012)

8. अन्यान्य संस्थाओं में परामर्शी / विषय विशेषज्ञ/अध्यक्ष :

1. बिहार सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय (राजभाषा) विभाग की राजभाषा पत्रिका के 34वें अंक के लिए परामर्शी (08.10.2007)

2. बिहार लोक सेवा आयोग, पटना की एक प्रतियोगिता परीक्षा में विषय–विशेषज्ञ (04.09.2009)

3. दैनिक जागरण, पटना के मार्गदर्शन के लिए समीक्षक / लोकपाल (23.01.2010)

4. बिहार कर्मचारी चयन आयोग, पटना की एक प्रतियोगिता परीक्षा में विषय–वस्तु विशेषज्ञ (31.10.2012)

5. पिछले कई वर्षों से डी.पी.एस. पटना एवं उसके अन्य केन्द्रों के हिन्दी शिक्षकों के चयनार्थ इन्टरव्यू बोर्ड में विषय–विशेषज्ञ (07 जनवरी, 2008 से अबतक)

6. जवाहर नवोदय विद्यालय (भारत सरकार) के लिए हिन्दी टी.जी.टी./पी.जी.टी. के चयनार्थ इन्टरव्यू बोर्ड में विषय–विशेषज्ञ सह अध्यक्ष (बिक्रम, पटना, बिहार 11–12/06/2015)

9. विश्वविद्यालय / आयोग से सम्बद्ध परीक्षा / मूल्यांकन / संशोधन में सहभागिता :

1ण विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रश्न पत्रों का चयनकर्ता व प्रश्नविधायक, उत्तर पुस्तिकाओं का परीक्षक, मोडरेटर, एम0 ए0 मौखिकी हेतु बाह्य परीक्षक, पी–एच0डी0 मौखिक परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक

2ण बिहार लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का परीक्षक

3ण नालंदा खुला विश्वविद्यालय की अनेक पाठ्य सामग्रियों का भाषा–संशोधक

10. ओरियेंटेशन प्रोग्राम/रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभागिता :

1ण 24वाँ ओरियेंटेशन प्रोग्राम में प्रतिभागी, सफलतापूर्वक सम्पूरित व समस्त व्याख्याता प्रतिभागियों के मध्य प्रथम स्थान प्राप्त, एकेडमिक स्टॉफ कॉलेज, पटना विश्वविद्यालय (30 नवम्बर 1997 – 25 दिसम्बर 1997)

2ण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संपोषित हिन्दी में पुनश्यर्चा पाठ्यक्रम में प्रतिभागी व सफलतापूर्वक सम्पूरित, यू0 जी0 सी0 एकेडमिक स्टॉफ कॉलेज, पटना विश्वविद्यालय (30 मार्च 2001 – 19 अप्रैल 2001)

3ण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संपोषित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में प्रतिभागी व सफलतापूर्वक सम्पूरित एवं ग्रेड 'ए' प्राप्त, एकेडमिक स्टॉफ कॉलेज, पटना विश्वविद्यालय (16 नवम्बर 2003 – 06 दिसम्बर 2003)

11. शोधवृत्ति / छात्रवृत्ति / पुरस्कार की प्राप्ति :

1ण यू0 जी0 सी0 जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जे.आर.एफ.) प्राप्त (जुलाई 1993 – अक्टूबर 1996)

2ण मगध विश्वविद्यालय से राष्ट्रीय छात्रवृत्ति प्राप्त (1991)

3ण अन्तर महाविद्यालय व्याख्यान प्रतियोगिता मगध विश्वविद्यालय, प्रथम पुरस्कार 1101 रुपये का भुवन पुरस्कार सह रजत पदक प्राप्त (श्री भुवनेश्वरी राजा महाविद्यालय, भटगाँव, बाढ़, पटना, 24 फरवरी 1987)

4ण अन्तर विद्यालय भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार (101 रु0) प्राप्त (श्रीकृष्ण उच्च विद्यालय धनछूँहा, भोजपुर, आरा, 08.05.1982)

12. दूरदर्शन / आकाशवाणी / ज्ञानवाणी के माध्यम से वार्तादि :

1ण दूरदर्शन केन्द्र, पटना के 'साहित्य समय' कविगोष्ठी में प्रतिभागी एवं कविता–पाठ (प्र. ति0 : 13.11.2007)

2ण दूरदर्शन केन्द्र, पटना के कार्यक्रम 'साहित्यिकी' में परिसंवाद में प्रतिभागी एवं 'सांस्कृतिक संरक्षण में साहित्य की भूमिका' विषय पर वार्ताकार (प्र. ति0 : 18.11.2008)

3ण 'ज्ञानवाणी' के माध्यम से 'प्रेमचंद एक कहानीकार के रूप में यथार्थ के कितने करीब' तथा 'आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : आलोचक व्यक्तित्व' विषय पर वार्ताकार (रिकार्डिंग की तारीख : 28.05.2009)

4ण दूरदर्शन केन्द्र, पटना के कार्यक्रम 'साहित्यिकी' में कविगोष्ठी में प्रतिभागी और कविता–पाठ (प्र.ति. : 09.06.2009)

5ण 'ज्ञानवाणी' के माध्यम से 'हिन्दी कैसे बने संप्रेषण का सशक्त माध्यम' विषय पर वार्ताकार (रिकार्डिंग : 14.09.2009)

6ण 'ज्ञानवाणी' के माध्यम से 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' विषय पर वार्ता (रिकार्डिंग : 25.10.2009)

7ण 'आकाशवाणी', पटना केन्द्र के 'शतदल' कार्यक्रम में 'बिहार में साहित्य संभावनाएँ' विषय पर वार्ताकार (प्र.ति. : 06.01.2010)

8ण 'ज्ञानवाणी' के माध्यम से 'हिन्दी गद्य' विषय पर वार्ता (रिकार्डिंग : 09.01.2010)

9ण 'आकाशवाणी' पटना केन्द्र के 'शतदल' कार्यक्रम में 'डॉ0 चतुर्भुज के ऐतिहासिक नाटक' विषय पर वार्ताकार (प्र0 ति0 : 18.08.2010)

10. 'आकाशवाणी', पटना केन्द्र के 'शतदल' कार्यक्रम में 'संवेदना और विचार के संश्लेष में डूबी गजलें' विषय पर वार्ताकार (प्र0 ति0 : 03.08.2011)

11ण 'आकाशवाणी', पटना केन्द्र के 'शतदल' कार्यक्रम में 'बिहार में साहित्य सर्जना की नई संभावनाएँ' विषय पर वार्ताकार (प्र0 ति0 : 02.01.2013)

12ण 'आकाशवाणी' पटना केन्द्र के 'शतदल' कार्यक्रम में 'बिहार का साहित्यिक वैभव' विषय पर वार्ताकार (प्र0 ति0 : 01.05.2013)

13ण 'आकाशवाणी', पटना केन्द्र के 'पराग' कार्यक्रम में 'अमृतलाल नागर के उपन्यास साहित्य का सौन्दर्य' विषय पर वार्ताकार (प्र0 ति0 : 16.08.2015)

13. विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों में व्याख्यान/रिफ्रेशर कोर्स में स्रोतविद् :

1ण बिहार सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय (राजभाषा) विभाग के तत्वावधान में आयोजित 'हिन्दी के विकास में रामवृक्ष बेनीपुरी का योगदान' श्विषय पर व्याख्यान (पटना, 15.12.2008)

2ण पटना विश्वविद्यालय के हिन्दी–विभाग में 'हिन्दी कहानी : परम्परा एवं परिदृश्य' विषयक रिफ्रेशर कोर्स में स्रोतविद् (पटना, विषय : लोककथा और हिन्दी कहानी, 01.03.2009)

3ण पटना विश्वविद्यालय के हिन्दी–विभाग में आयोजित 'आधुनिक हिन्दी कविता में प्रतिरोध चेतना' विषयक रिफ्रेशर कोर्स में स्रोतविद् (पटना, विषय : 'भारतेन्दु युगीन कविता में रूढ़ि प्रेम और रूढ़ि विरोध' तथा 'द्विवेदी युगीन कविता और देश प्रेम', 01.03.2011, 03.03.2011)

4ण बिहार सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय (राजभाषा) विभाग के तत्त्वावधान में आयोजित 'हिन्दी के विकास में आचार्य बद्रीनाथ वर्मा का योगदान' विषय पर व्याख्यान (पटना, 10 नवम्बर, 2011)

5ण बिहार सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय (राजभाषा) विभाग के तत्त्वावधान में आयोजित 'हिन्दी के विकास में पंडित मोहनलाल महतो 'वियोगी' का योगदान' विषय पर व्याख्यान (पटना, 05 नवम्बर, 2012)

6ण बिहार सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय (राजभाषा) विभाग के तत्त्वावधान में आयोजित 'हिन्दी के विकास में गोपाल सिंह 'नेपाली' का योगदान' विषय पर व्याख्यान (पटना, 11 अगस्त, 2013)

7ण पटना विश्वविद्यालय के हिन्दी–विभाग में आयोजित 'हिन्दी साहित्य और बिहार' विषयक रिफ्रेशर कोर्स में स्रोतविद् एवं 'बिहार के संत साहित्य' पर दो व्याख्यान (पटना, तिथि .....?)

8ण बिहार सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग (राजभाषा निदेशालय) के तत्त्वावधान में आयोजित 'हिन्दी के विकास में डॉ0 लक्ष्मी नारायण सुधांशु का योगदान' विषय पर व्याख्यान (पटना, 18 जनवरी 2014)

9ण बिहार सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग (राजभाषा निदेशालय) के तत्त्वावधान में आयोजित 'कलक्टर सिंह केशरी पुण्य तिथि–समारोह' में व्याख्यान (पटना, 18 सितम्बर 2014)

10ण बिहार सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय (राजभाषा) विभाग के तत्त्वावधान में आयोजित 'हिन्दी के विकास में बाबू गंगाशरण सिंह के योगदान' विषय पर व्याख्यान (पटना, 19 अगस्त, 2015)

11ण भारतीय डाक विभाग, मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल का कार्यालय, बिहार सर्किल, पटना –01 के तत्त्वावधान में आयोजित हिन्दी दिवस/हिन्दी पखवाड़ा के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि तथा 'राजभाषा हिन्दी' विषय पर व्याख्यान (पटना, 14 सितम्बर, 2015)

14. यू0 जी0 सी0 संपोषित नेशनल सेमिनार /अन्यान्य में सहभागिता/ शोध–पत्र प्रस्तुति :

1ण विषय : ''हिन्दी साहित्य और आधी दुनिया : नारी केन्द्रित लेखन'', दिनांक : 25–27 अगस्त, 2010, शीर्षक : ''तुलसी साहित्य में आधी दुनिया की पूरी सच्चाई'', आयोजन–स्थल–आर0 पी0 एम0 कॉलेज, पटना सिटी ।

2ण विषय : ''दलित साहित्य के सौन्दर्यशास्त्र एवं इतिहास–लेखन की समस्याएँ'', पंजीयित प्रतिभागी, दिनांक : 28–29 नवम्बर, 2010, आयोजन स्थल : हिन्दी–विभाग, पटना विश्वविद्यालय ।

3ण विषय : ''स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य में कामकाजी महिलाओं का संघर्ष'', दिनाक : 30–31 जनवरी, 2012, शीर्षक : 'कामकाजी महिलाएँ : मोरा दरद न जाने कोय', आयोजन स्थल : हिन्दी–विभाग, जे0 डी0 वीमेन्स कॉलेज, पटना ।

4ण हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग के 64 वाँ अधिवेशन में सहभागिता, दिनांक : 18–20 मार्च, 2012, आयोजन स्थल : कन्या कुमारी (तमिलनाडु)।

5ण विषय : ''दलित समस्या का आर्थिक–सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भ'', दिनांक 27–28 मार्च, 2012, शीर्षक : 'दलित समस्या का सामाजिक संदर्भ', आयोजन स्थल : हिन्दी विभाग, पटना विश्वविद्यालय ।

6ण विषय : ''हिन्दी साहित्य को मगध प्रक्षेत्र का योगदान'', दिनांक : 16–17 अप्रैल, 2012, शीर्षक : 'हिन्दी साहित्य को मागध सिद्धों का योगदान', आयोजन स्थल : स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया।

7ण विषय : ''समकालीन हिन्दी कथा साहित्य और महिला लेखन'', दिनांक : 27–28 अप्रैल, 2012, शीर्षक : 'समकालीन कथा लेखन और स्त्री विमर्श, आयोजन स्थल : श्री अरविन्द महिला कॉलेज, पटना ।

8ण विषय : ''भवानी प्रसाद मिश्र : जीवन, सहजता एवं प्रतिरोध के कवि'', दिनांक : 6–7 जुलाई, 2013, शीर्षक : 'भवानी प्रसाद मिश्र की प्रतिरोध–चेतना', आयोजक : हिन्दी विभाग, ओरियंटल कॉलेज, पटना सिटी।

9ण विषय : ''सामाजिक संरचना में अस्पृश्यता, लिंगभेद, जातिवाद और साम्प्रदायिकता'', दिनांक : 31.03.2006, शीर्षक : 'सामाजिक संरचना के विच्छेदक तत्त्वों के मार्जन के उपाय', आयोजन स्थल : किसान कॉलेज, सोहसराय (नालंदा) ।

10ण विषय : ''प्रजातांत्रिक मूल्यों का मूल्यांतरण : आज के संदर्भ में'', दिनांक : 18–20 अगस्त, 2010, शीर्षक : 'प्रजातांत्रिक मूल्यों की प्रासंगिकता', आयोजन स्थल : आर0 पी0 एम0 कॉलेज, पटना सिटी ।

11ण विषय : ''आतंकवाद के समाधान में बुद्ध के उपदेशों की भूमिका'', 21–22 दिसम्बर 2010, शीर्षक : 'आतंकवाद बनाम बुद्ध के उपदेश', आयोजन स्थल : जी0 डी0 एम0 कॉलेज, हरनौत (नालंदा) ।

12ए विषय : ''सीमांत नैतिकता : सिद्धान्त एवं प्रयोग'', दिनांक : 18–20 फरवरी, 2011, शीर्षक : 'सीमांत नैतिकता : आज के आईने में', आयोजन स्थल : दर्शन विभाग, किसान कॉलेज, सोहसराय (नालन्दा) ।

13ए विषय : (Role of the youth in quit India Movement" (With special Reference to Bihar), दिनांक :11–12 नवम्बर, 2011, शीर्षक : 'भारत छोड़ो आन्दोलन में बिहारी युवाओं की भूमिका', आयोजन स्थल : इतिहास विभाग, नालन्दा कॉलेज, बिहार शरीफ (नालंदा) ।

14ए विषय : ''सामाजिक न्याय की पृष्ठभूमि में शिक्षा'', दिनांक : 26–27 नवम्बर, 2011, शीर्षक : 'सामाजिक न्याय और शिक्षा : दोनों को व्यापक बने रहने दें', आयोजन स्थल : जे0 डी0 वीमेन्स कॉलेज, पटना।

15ए विषय : "Social, Ethical and Legal issues Related to Euthanasia", दिनांक: 27–28 जनवरी, 2012, शीर्षक : 'यूथेनेसिया : अत्यंत ज्वलंत व जटिल समस्या', आयोजन स्थल : पटना वीमेन्स कॉलेज, पटना विश्वविद्यालय ।

16ए विषय : "Research Methodology", दिनांक : 9 फरवरी, 2012, आयोजन स्थल : श्री अरबिन्द महिला कॉलेज, पटना ;व्दम कंल `जंजम समअमस ूवतौंवच में सहभागिता)।

17. विषय : "Live-in-Relationship in the Indian Context : Social, Ethical and Legal Perspectives", दिनांक : 24–25 अप्रैल, 2013, विषय : 'परिणय बनाम सह सम्बन्ध : कितना सार्थक, कितना निरर्थक, आयोजक–दर्शन शास्त्र विभाग, टी0 पी0 एस0 कॉलेज, पटना ।

18ए विषय : ''Training and Awareness Programme on Intellectual Property Rights , दिनांक : 16 अक्टूबर 2014, भारत सरकार एवं बिहार सरकार के कतिपय विभागों द्वारा आयोजित उक्त कार्यक्रम में प्रतिभागिता ।

19ए विषय : ''साहित्य में वृद्ध विमर्श'', दिनांक : 22–23 सितम्बर, 2015, विषय : तुलसी साहित्य में वृद्ध व वृद्धावस्था, आयोजन स्थल : आर0 पी0 एम0 कॉलेज, पटना सिटी ।

15एयू0 जी0 सी0 संपोषित नेशनल सेमिनार की विभिन्न स्मारिकाओं में प्रकाशित लघुलेख ;।इेजतंबजद्ध

1ए विषय : ''भारत छोड़ो आन्दोलन में युवाओं की भूमिका : बिहार के विशेष संदर्भ में'', दिनांक : 11–12 नवम्बर, 2011, शीर्षक : 'भारत छोड़ो आन्दोलन में बिहारी युवाओं की भूमिका,' पृष्ठ : 43

2ए विषय : ''सामाजिक न्याय की पृष्ठभूमि में शिक्षा'', दिनांक : 26–27 नवम्बर, 2011, शीर्षक : 'सामाजिक न्याय और शिक्षा : दोनों को व्यापक बने रहने दें', पृष्ठ : 74

3ए विषय : ''स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य में कामकाजी महिलाओं का संघर्ष'', दिनांक : 30–31 जनवरी, 2012, शीर्षक : 'कामकाजी महिलाएँ : मोरा दरद न जाने कोय', पृष्ठ : 97–98.

4ण विषय : "Social, Ethical and Legal Issues Related to Euthanasia", दिनांक : 27–28 जनवरी, 2012, शीर्षक : 'यूथेनेसिया : अत्यंत ज्वलंत व जटिल समस्या', पृष्ठ : 21

5ण विषय : ''समकालीन हिन्दी कथा साहित्य और महिला लेखन'', दिनांक 27–28 अप्रैल, 2012, शीर्षक : 'नारीवादी साहित्य का मूल और मूल्य', पृष्ठ : 31

6ण विषय : "Live in- Relationship in the Indian Context : Social, Ethical and Legal Perspectives", दिनांक : 24–25 अप्रैल, 2013, शीर्षक : 'परिणय बनाम सह सम्बन्ध : कितना सार्थक, कितना निरर्थक' ।

7ण विषय : साहित्य में वृद्ध विमर्श, दिनांक 22–23 सितम्बर, 2015 शीर्षक : तुलसी साहित्य में वृद्ध व वृद्धावस्था'' ।

16ण्प्रकाशित पुस्तकें :

क्र0 सं0	पुस्तक का नाम	प्रकाशक का नाम	प्रकाशन का वर्ष
1	रामचरितमानस में शाप और वरदान	जिज्ञासा प्रकाशन, पटना	2007
2	स्वांतः सुखाय ISBN : 81 – 7714 – 321 – 2	प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली–02	2008
3	गहरे पानी पैठ ISBN : 81 – 7714 – 341 – 7	प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली – 02	2009
4	संतकाव्य और बिहार ISBN : 978 –93– 82848 – 10 – 3	प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली – 02	2013
5	छवि – प्रतिच्छवि ISBN : 978 – 81 – 88459 – 88 - 9	शुभदा प्रकाशन, दिल्ली–110 032	2014

17ण्संयोजन सह संपादन में प्रकाशित पत्रिका

क्र0 सं0	पत्रिका का नाम	प्रकाशक का नाम	प्रकाशन का वर्ष
1	विमर्श	कॉलेज ऑफ कॉमर्स, पटना – 20	2007
2	विमर्श	कॉलेज ऑफ कॉमर्स, पटना – 20	2008
3	विमर्श	कॉलेज ऑफ कॉमर्स, पटना – 20	2009

18ण्पत्रिकाओं एवं संपादित पुस्तकों में प्रकाशित लेख/शोध आलेख :

क्र0 सं0	पत्रिका/पुस्तक का नाम	शीर्षक	वर्ष	अंक	पृष्ठ
1	मड़ई	रामचरितमानस में लोक विश्वास (शोध आलेख)	2004	6	79–82

2	नई धारा	चादर चमकाकर चले गए (लेख)	2004	अक्टूबर– नवम्बर	101–104
3	जिन्होंने हँसी को हथियार बनाया (संपादित पुस्तक)	किसान कविः रामजीवन शर्मा 'जीवन' (शोध आलेख)	2004	प्रथम संस्करण	207–14
4	सामाजिक न्याय के मसीहा : बाबू जगजीवन राम (संपादित पुस्तक)	जगजीवन बाबू : जाकी जोति बरै दिन राती (शोध आलेख)	2004	प्रथम संस्करण	160–71
5	Jagjiwan Ram the Enlightened Spirit (संपादित पुस्तक)	चँदवा के चाँद के जगजीवन (सूर्य) बनने की कहानी (लेख)	2005	प्रथम संस्करण	27–30
6	मासिक बिहार	गणतंत्र दिवस : गफलत का नहीं, गरूर का दिवस (लेख)	2005	जनवरी	05–06
7	वर्तमान संदर्भ	किसान कवि : रामजीवन शर्मा 'जीवन' (शोध आलेख)	2005	जनवरी–मार्च	23–26
8	मड़ई	लोक समुदाय में नामकरण का दर्शन (शोध आलेख)	2005	7	299–303
9	धर्मायण (पत्रिका–पंजीयन सं0 52257/90)	रामचरितमानस का शिव–सती प्रकरण (शोध आलेख)	2006	जनवरी – जून	6–9
10	होश	वाह–आह के किस्से कहते प्रेम विवाह (लेख)	2006	मई – अगस्त	63–64
11	धर्मायण (पत्रिका–पंजीयन सं0 52257/90)	तुलसीदास की गुरु विषयक अवधारणा (शोध आलेख)	2006	जुलाई – सितम्बर	53–56
12	बिहार समाचार	हिन्दी साहित्य और बिहार के 36 सिद्ध कवि (लेख)	2006	नवम्बर	29
13	बिहार समाचार	हिन्दी का प्रथम बिहारी कवि : सरहपाद (लेख)	2006	दिसम्बर	33
14	तलाश	लोग आते गए कारवाँ बनता गया (लेख)	2006	दिसम्बर	25
15	बिहार समाचार	हिन्दी के अग्रगण्य बिहारी कविः विद्यापति (लेख)	2007	फरवरी	31
16	धर्मायण (पत्रिका–पंजीयन सं0 52257/90)	रामचरितमानस में लोक विश्वास (शोध आलेख)	2008	जनवरी–मार्च	44–49
17	बिहार समाचार	राजेन्द्र बाबू का हिन्दी अनुराग (लेख)	2008	दिसम्बर	7–8
18	Social Research Journal (ISSN 0975-0274)	लोक जीवन में रसे–बसे राम (शोध आलेख)	2009	जनवरी – जून	129–34
19	धर्मायण	लोक जीवन में रसे–बसे राम (शोध आलेख)	2008–09	अक्टूबर – मार्च	40–45

20	Social Research Journal (ISSN 0975-0274)	बिहार के सिद्ध साहित्यकार (शोध आलेख)	2009	जुलाई – दिसम्बर	133–36
21	दार्शनिक अनुगूंज (ISSN 0975-2749)	संत–संतकवि व संतकाव्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि (शोध आलेख)	2010	1 – 2	9–16
22	Social Research Journal (ISSN 0975-0274)	विद्यापतिः अपने ढंग का अनूठा महाकवि (शोध आलेख)	2010	Vol. 3 Vol. 1	197–202
23	1942 : एक विमर्श (ISBN : 978-93-80734-02-6)	भारत छोड़ो आन्दोलन में बिहारी युवाओं की भूमिका (शोध आलेख)	2011	First Edition 2011	170–73
24	परिषद् पत्रिका (शोध त्रैमासिक) बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना	संतकाव्य और बिहार (लेख)	2011	स्वर्ण जयंती अंक 1–4	65–75
25	पगडंडी	रघुपति राघव राजा राम (लेख)	2011	संयुक्तांक जुलाई–दिसम्बर 2011	94–95
26	कथा (ISSN 2277-856X)	हिन्दी साहित्य के इतिहासकारों की दृष्टि में मीराँबाई (शोध आलेख)	2012	16	245–257
27	अपूर्वा (स्मारिका, बिहार दिवस शताब्दी वर्ष, 2012)	1942 का आन्दोलन और बिहार के युवा (शोध आलेख)	2012	प्रथम संस्करण मार्च, 2012	369–376
28	बिहार समाचार (निबंधन सं0 – पी. टी. 52, आर. एन. आई. संख्या–3617)	हिन्दी साहित्य के विकास में बिहार का योगदान (लेख)	2013	मार्च, 2013	33–35
29	अभ्युदय	सिद्ध सरहपाद की माटी	?	?	
30	वाङ्मय(ISSN 0975-8321) RNI-UP HIN/2008/29149	अँधेरे में भटक रही जिंदगियों में रोशनी भरने की कामयाब कोशिश (शोध आलेख)	जुलाई, 2013	आदिवासी विशेषांक – 1	136–148

19ण्पत्रिकाओं में प्रकाशित पुस्तक समीक्षा :

क्र. सं.	पुस्तक/लेखक का नाम	प्रकाशक का नाम	पत्रिका का नाम	शीर्षक	वर्ष	पृष्ठ
1	मराल– कुबेरनाथ राय	भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली–03	समीक्षा	सजग लेखक का सरससंकलन	जनवरी–मार्च 1995	29–31
2	शालभंजिका– अमिता शर्मा	सिद्धार्थ पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली–20	समीक्षा	समकालीन सच की तलाश	जुलाई– सितम्बर 1997	26–28
3	अरण्या– डॉ0 भगवतीशरण मिश्र	आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली–06	नई धारा	अरण्यवासिनी देवी दन्तेश्वरी की महिमागाथा	दिसम्बर– जनवरी 2005	78–82

4	मैं भीष्म बोल रहा हूँ– डॉ0 भगवतीशरण मिश्र	राजपाल एण्ड संस, दिल्ली–06	नई धारा	महाभारत के महानायक का मौन–भंग	अप्रैल–मई 2006	85–87
5	हिन्दी साहित्य : भाषिक परिदृश्य– डॉ0 सियाराम तिवारी	यश पब्लिकेशन्स, दिल्ली	नई धारा	हिन्दी साहित्य का भाषिक परिदृश्य	जून–जूलाई 2006	103–04
6	मैं भीष्म बोल रहा हूँ– डॉ0 भगवती शरण मिश्र	राजपाल एण्ड संस, दिल्ली–06	हमारा दृष्टिकोण विशेषांक	मैं भीष्म बोल रहा हूँ	2006	23–24
7	कहानी– 'नो... बॉस .. नो ... लेखकः कृष्णबिहारी	मित्र–3 संपादक : मिथिलेश्वर	मित्र–4	समकालीन सच को वाणी देती एक कहानी	2007	213–14
8	तुलसीदास / नंद किशोर नवल	राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली–02	पुस्तक–वार्ता	महाकवि के काव्य सौन्दर्य की अद्‌भुत अभिव्यक्ति	मार्च–अप्रैल 2012	30–33
9	बुद्ध मुस्कुराये / यश मालवीय	भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली–03	समीक्षा (RNI 22374/67)	बुद्ध का मजाक बना, बुद्ध मुस्कुराये	जनवरी–मार्च 2013	56–57
10	भूतलेन की कथा / सं. बृजविलास लाल, आशुतोष कुमार, योगेन्द्र यादव	राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली–02	पुस्तक–वार्ता	एक गिरमिटिया के भोगे हुए यथार्थ का दर्द–ए–दास्तान	जनवरी–फरवरी 2013	39–41
11	उत्तर औपनिवेशिक विमर्श और हिन्दी कविता / सं0 पी0 रवि	आधार प्रकाशन, पंचकूला– 13, हरियाणा	पुस्तक–वार्ता	हिन्दी कविता के संस्पर्श में उत्तर औपनिवेशिक विमर्श	मार्च–अप्रैल 2013	35–36
12	धूप के टूकड़े / रामदरश मिश्र	शांति पुस्तक मंदिर, दिल्ली–51	समीक्षा	धूप के टुकड़े में छाँह की शीतलता	अक्टूबर–दिसम्बर 2013	
13	पाटलिपुत्र से शांति निकेतन / डॉ0 सियाराम तिवारी	श्लोक प्रकाशन, दरभंगा–4	विश्वभारती पत्रिका	उत्प्रेरित–उत्साहित करनेवाली एक खूबसूरत दैनंदिनी	जुलाई–सितम्बर 2013	125–129

20ण्समाचार पत्रों में प्रकाशित पुस्तक समीक्षा :

क्रं. सं.	पुस्तक / लेखक का नाम	प्रकाशक का नाम	समाचार पत्र का नाम	शीर्षक	वर्ष	पृष्ठ
1	और आग हुए हम– नंद किशोर नंदन	पृथ्वी प्रकाशन, मुजफ्फरपुर	हिन्दुस्तान (प्रतिबिम्ब)	मीत बनाते, प्रीत जगाते, नंदन के ये गीत	4 सितम्बर 2003	3

2	शापित राजकन्या / अग्निधर्मा डॉ0 प्रतिमा शर्मा	संजय प्रिंटिंग वर्क्स, पटना आई0सी0डब्लू0ए 0, पटना	हिन्दुस्तान (प्रतिबिम्ब)	'शापित राजकन्या' और 'अग्निध र्मा'	27 नवम्बर 2003	3
3	साधना एवं समर्पणः डॉ0 रामजी सिंह, डॉ0 रामेश्वर सिंह	अ0 भा0 सन्तमत सत्संग महासभा, पटना	हिन्दुस्तान (प्रतिबिम्ब)	साधना एवं समर्पण अर्थात् श्री शाही स्वामी अभिनंदन ग्रंथ	11 मार्च 2004	3
4	वैवाहिक जीवन– के0 पी0 भागवत अनुवादकः श्रीमती कमला भावे	राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली	हिन्दुस्तान (प्रतिबिम्ब)	दाम्पत्य जीवन की मुकम्मल दास्तान	12 अगस्त 2004	3
5	समकालीन कविता (पत्रिका) संपादन : डॉ0 विनय कुमार	स्वयं संपादक, पटना	हिन्दुस्तान (प्रतिबिम्ब)	समय और समाज की पड़ताल	16 सितम्बर 2004	3
6	मित्र 3 (पत्रिका) संपादक– मिथिलेश्वर	स्वयं संपादक	हिन्दुस्तान (प्रतिबिम्ब)	मित्र : समय और समाज की पड़ताल	2 सितम्बर 2004	3
7	वसन्त सेना / वासवदत्ता / कादम्बरी डॉ0 शांति जैन	शोभाकांत दास, प्रभावती देवी ट्रस्ट, 59, गोविंदप्पा नयक्कन स्ट्रीट, चेन्नई–01	हिन्दुस्तान (प्रतिबिम्ब)	संस्कृत साहित्य की तीन लोककथाओं की हिन्दी प्रस्तुति	6 जनवरी 2005	3
8	बीसवीं शताब्दी का हिन्दी साहित्य– विजय मोहन सिंह	राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	हिन्दुस्तान (सृजन)	साहित्येतिहास व आलोचना का मधुर आस्वाद	10 नवम्बर 2006	9
9	माटी कहे कुम्हार से– मिथिलेश्वर	भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली–03	हिन्दुस्तान (सृजन)	आसमां को चुनौती देती हाशिए की जमीं	08 दिसम्बर 2006	9
10	हिन्दी कथा साहित्य में मध्यकालीन भारत– सुधा मित्तल	राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली–02	हिन्दुस्तान (सृजन)	साहित्य के आईने में झाँकता इतिहास	15 दिसम्बर 2006	9
11	दृश्य परिदृश्य– तरुण कुमार	मेधा बुक्स, नवीन शाहदरा, दिल्ली–32	हिन्दुस्तान (सृजन)	आलोचना की गांठें खोलने की कोशिश	9 मार्च 2007	9
12	नई कविता आंदोलन और परिमल–हरेकृष्ण तिवारी	प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली'32	हिन्दुस्तान (सृजन)	नई दृष्टि देती एक शोध कृति	29 जून 2007	9

13	मैं हिन्दू हूँ– असगर वजाहत	राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली–02	हिन्दुस्तान (सृजन)	दुखती रगों को छूती कहानियाँ	23 नवम्बर 2007	9
14	घर का जोगी जोगड़ा– काशीनाथ सिंह	राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली–02	हिन्दुस्तान (सृजन)	एक रोमांचक संस्मरण	30 नवम्बर 2007	9
15	भोजपुरी लोक कथा– मिथिलेश्वर	नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया, नई दिल्ली	हिन्दुस्तान रीमिक्स (मयूर पंख)	क्षर होतीं लोक कथाएँ बन गईं अक्षर	12 जुलाई 2009	4
16	कबीर और तुलसी– डॉ0 शशि भूषण चौधारी	जिज्ञासा प्रकाशन, पटना	हिन्दुस्तान रीमिक्स (मयूर पंख)	दो महान कवियों का सम्यक् मूल्यांकन	23 अगस्त 2009	4
17	चल गोरी दोहापुरम– बेकल उत्साही	वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली	हिन्दुस्तान रीमिक्स (मयूर पंख)	गँवई अंदाज व वतनी मिजाज की मोहक छटा	22 नवम्बर 2009	4
18	एक साध्वी की सत्ता कथा– विजय मनोहर तिवारी	राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	हिन्दुस्तान रीमिक्स (मयूर पंख)	अनेक सत्ता कथाओं की सत्य कथा	6 दिसम्बर 2009	4
19	मुक्तिजाल– सुकन पासवान प्रज्ञाचक्षु	मित्तल एंड संस, दिल्ली–92	हिन्दुस्तान रीमिक्स (मयूर पंख)	बहुस्तरीय सच्चाइयों का सम्यक् उद्घाटन	21 फरवरी 2010	4
20	हिन्दी कहानी के सौ वर्ष / डॉ0 दीनानाथ सिंह	मीनाक्षी प्रकाशन, शकरपुर, दिल्ली	हिन्दुस्तान रीमिक्स (मयूर पंख)	हिन्दी कहानी की शतकीय पाली	11 अप्रैल 2010	2
21	पानी बीच मीन पियासी / मिथिलेश्वर	भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली	हिन्दुस्तान रीमिक्स (मयूर पंख)	बिगड़ते– बनते जीवन	23 मई, 2010	2
22	शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ / मुरली मनोहर श्रीवास्तव	प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली	हिन्दुस्तान रीमिक्स (मयूर पंख)	कमरूद्दीन से बिस्मिल्लाह खाँ बनने तक	20 जून, 2010	2
23	अमीर खुसरो ..... / महम्मद हारुन शैलेन्द्र'	अभिधा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर	हिन्दुस्तान रीमिक्स (मयूर पंख)	प्रामाणिकता प्रकट करने की छटपटाहट	27 जून, 2010	2
24	आम्रपाली और अन्य कविताएँ / विनय कुमार	अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद	हिन्दुस्तान, पटना लाइव पटनानामा	आम्रपाली से आजतक की कविताएँ	19 अगस्त, 2015	35

25	पदचाप के साथ / शंकरानंद	बोधि प्रकाशन, जयपुर	हिन्दुस्तान, पटना लाइव, पटनानामा	गहरी छाप छोड़ती कविताएँ	2 सितम्बर, 2015	29
26	अथ साहित्यः पाठ और प्रसंग	अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली	हिन्दुस्तान, पटना लाइव, पटनानामा	आलोचना में रोचक रचना का आस्वाद	30 सितम्बर, 2015	23
27	छुनिया के दासों की दास्तान	जानकी प्रकाशन, पटना	हिन्दुस्तान, पटना लाइव, पटनानामा	बेजुबानों को जुबान देने की कामयाब कोशिश	09 दिसम्बर, 2015	23

21ण्समाचार पत्रों (हिन्दुस्तान, दैनिक जागरण) में विविध विषयों से संबंधित प्रकाशित लेखः

1ण् ''पसरता पटना, सिमटते गाँव''

हिन्दुस्तान, प्रतिबिम्ब, 06 फरवरी, 2003

2ण् ''विद्वता के विश्वकोशः प्रो विश्वनाथ प्रसाद वर्मा''

हिन्दुस्तान, प्रतिबिम्ब, 20 फरवरी, 2003

3ण् ''जोहते बाट, गंगा के घाट''

हिन्दुस्तान, प्रतिबिम्ब, 01 मई, 2003

4ण् ''कार्य संस्कृति में बदलाव और नैतिकता का तकाजा''

हिन्दुस्तान, पृ0–9, 25 अप्रैल, 2003

5ण् ''वाह सुबह, आह सुबह''

हिन्दुस्तान, प्रतिबिम्ब, 03 जुलाई, 2003

6ण् ''आग में जो तपा, आगे वही चमका''

हिन्दुस्तान, प्रतिबिम्ब, 10 जुलाई, 2003

7ण् ''ट्यूटोरियल क्लास, लाए पास, सिखाए खास''

हिन्दुस्तान, नयी दिशाएँ, 05 अगस्त, 2003

8ण् ''आजाद मुल्क के गुलाम गाँव''

दैनिक जागरण, जंग–ए–आजादी, 15 अगस्त, 2003

9ण ''हाशिए की हँसी, कहाँ है फँसी''
हिन्दुस्तान, प्रतिबिम्ब, 21 अगस्त, 2003

10ण ''हिन्दीः रोजगार की भाषा, बाजार की भाषा''
हिन्दुस्तान, नयी दिशाएँ, 09 सितम्बर, 2003

11ण ''दलिद्दर भागे तो कैसे?''
हिन्दुस्तान, सिटी, 24 अक्टूबर, 2003

12ण ''युवाओं के जोड़े बनने की राह के रोड़े''
हिन्दुस्तान, सिटी, 26 मार्च, 2004

13ण 'काश, जीते जी मिलता देवी का दर्जा''
हिन्दुस्तान, अंगना, 11 अगस्त, 2004

14ण ''अंधेरा है ... क्योंकि अस्त है अंदर का आदित्य''
हिन्दुस्तान, प्रतिबिम्ब, 18 नवम्बर, 2004

15ण ''ट्यूशनः शिक्षा का कारोबार''
हिन्दुस्तान, प्रतिबिम्ब, 18 अगस्त, 2005

16ण ''ऋषि परम्परा के शिखर पुरुष''
हिन्दुस्तान, प्रतिबिम्ब, 01 दिसम्बर, 2005

17ण ''आम जनजीवन में लोक रक्षक श्रीराम''
हिन्दुस्तान, विशेष परिशिष्ट, 06 अप्रैल, 2006

18ण ''रोमानिया में भी लोकप्रिय है हिन्दी''
हिन्दुस्ता, सृजन, 15 सितम्बर, 2006

19ण ''गायेंगे कब गरीब, गणतंत्र के गीत''

दैनिक जागरण, गणतंत्र दिवस परिशिष्ट, 26 जनवरी, 2007

20ण ''पिघल रही है उच्च शिक्षा की पर्वत–सी पीर''

हिन्दुस्तान, पृ0 9 (संवाद), 07 मार्च, 2007

21ण कब गायेंगे गरीब, आजादी के गीत''

दैनिक जागरण, स्वतंत्रता दिवस परिशिष्ट, 15 अगस्त, 2007

22ण ''कसौटी कामयाब शिक्षक की''

दैनिक जागरण, जोश, 05 सितम्बर, 2007

23ण ''हिन्दी में रोजगार के कम नहीं हैं आसार''

दैनिक जागरण, जोश, 12 सितम्बर, 2007

24ण इश्क नहीं, कैँरियर के लिए लें रिस्क

दैनिक जागरण, जोश, पृ0–2, 10अक्टूबर, 2007

25ण ''भेदिया की भूमिका में जबरा जाड़ा''

दैनिक जागरण, पृ0–02, 07 जनवरी, 2008

26ण ''विद्या की अरथी निकालते ... ये विद्यार्थी''

दैनिक जागरण, पृ0–2, 22 जनवरी, 2008

27ण ''जियेंगे–मरेंगे वतन तेरे लिए''

दैनिक जागरण, गणतंत्र दिवस परिशिष्ट, 26 जनवरी, 2008

28ण ''दूजे भगवान का ताज पहने ... ये यमराज !''

दैनिक जागरण, 08 फरवरी, 2008

29ण ''ये अंदर की बात है !''

दैनिक जागरण, पृ0–2, 02 मार्च, 2008

30ण ''हुनर हसरत पूरी करने के''
दैनिक जागरण, जोश, 31 दिसम्बर, 2008

31ण ''लो वासंती मौसम आ गया''
हिन्दुस्तान, रीमिक्स, 30 जनवरी, 2009

32ण ''आ गयी जनता के जागने की बेला''
दैनिक जागरण, पृ0–4, 19 अप्रैल, 2009

33ण ''बुलंदी पर कैसे पहुँचेगी हमारी हिन्दी''
दैनिक जागरण, जोश, 09 सितम्बर, 2009

34ण ''सिद्ध सरहपाद की माटी''
दैनिक जागरण, बिहार अभ्युदय, 15 मार्च, 2010

35ण ''गुंचों के मुस्कुराने पे, हँसके बोले वे फूल ...''
दैनिक जागरण, पटना, पृ0 6, 14 अगस्त, 2013

22ण्समाचार पत्रों (हिन्दुस्तान, दैनिक जागरण, सन्मार्ग) में व्यक्तित्व–विकास से संबंधित प्रकाशित लेखः

1ण ''सफलता के लिए चिंता नहीं, चिंतन करें''
हिन्दुस्तान, नयी दिशाएँ, 26 नवंबर, 2002

2ण ''साधना से साकार करें जीवन के सपने''
हिन्दुस्तान, नयी दिशाएँ, 08 अप्रैल, 2003

3ण ''सफलता का मर्म, किस्मत अथवा कर्म''
हिन्दुस्ता, नयी दिशाएँ, 20 मई, 2003

4ण ''रास्ता वही, जो मंजिल पहुँचाए''
हिन्दुस्तान, नयी दिशाएँ, 01 जुलाई, 2003

5ण ''सुसंगति अपनाएँ, सफलता पाएँ''
हिन्दुस्तान, नयी दिशाएँ, 15 जुलाई, 2003

6ण ''संघर्ष करनेवाले ने ही पाया उत्कर्ष''
दैनिक जागरण, जोश, 30 जुलाई, 2003

7ण ''मुखर और मौर बनने के लिए मौन बनें''
हिन्दुस्तान, नयी दिशाएँ, 16 सितम्बर, 2003

8ण ''बनना है बुलंद तो खुद को खोजें''
हिन्दुस्तान, नयी दिशाएँ, 28 अक्टूबर, 2003

9ण ''तब सपने अपने बनेंगे जब ...''
हिन्दुस्तान, नयी दिशाएँ, 25नवम्बर, 2003

10ण ''अगर उत्साह जवाँ हो तो कदमों में जहाँ हो''
हिन्दुस्तान, नयी दिशाएँ, 13 जनवरी, 2004

11ण ''बाबूजी धीरे चलना ...''
हिन्दुस्तान, सिटी, 23 जनवरी, 2004

12ण ''गर चाहिए जीत तो तलाशें सच्चे मीत''
हिन्दुस्तान, सिटी, 20 फरवरी, 2004

13ण ''सजाना है सर पे सफलता का सेहरा तो...''
हिन्दुस्तान, नयी दिशाएँ, 24 फरवरी, 2004

14ण ''कर लो दुनिया मुट्ठी में''
हिन्दुस्तान, नयी दिशाएँ, 30 मार्च, 2004

15ण ''जोश से लबरेज हो गर जिंदगी...''
दैनिक जागरण, जोश, 21 अप्रैल, 2004

16ण ''गरम मिजाजी घटाती है आपकी गरिमा''

हिन्दुस्तान, सिटी, 23 अप्रैल, 2004

17ण ''प्रेम परवान, कैरियर कुर्बान''
हिन्दुस्तान, सिटी, 14 मई, 2004

18ण ''जिंदगी जिंदादिली का नाम है...''
दैनिक जागरण, जोश, 26 मई, 2004

19ण ''यह आराम का मामला नहीं है!''
हिन्दुस्तान, नयी दिशाएँ, 15 जून, 2004

20ण ''जी हाँ, ये अंदर की बात है !''
हिन्दुस्तान, नयी दिशाएँ, 29 जून, 2004

21ण ''अग्रशोची सदा सुखी''
हिन्दुस्तान, सिटी, 02 जुलाई, 2004

22ण ''मत करो खुद को खतम करने की खता''
हिन्दुस्तान, सिटी, 09 जुलाई, 2004

23ण ''अकेला चना भी फोड़ता है भाड़''
हिन्दुस्तान, नयी दिशाएँ, 13 जुलाई, 2004

24ण ''चमका है सितारा गर्दिशों में हरदम''
दैनिक जागरण, जोश, 14 जुलाई, 2004

25ण ''सफल बनने के लिए करें पल–पल का सदुपयोग''
दैनिक जागरण, जोश, 28 जुलाई, 2004

26ण ''गर चाहिए जीत, तो तलाशें सच्चे मीत''
दैनिक जागरण, जोश, 25 अगस्त, 2004

27ण ''जब ये दिल मांगे मोर...''

हिन्दुस्तान, नयी दिशाएँ, 31 अगस्त, 2004

28ण ''निज शक्ति को जिसने जाना, जीता वही जहान''

दैनिक जागरण, जोश, 01 सितम्बर, 2004

29ण ''संयम से सँवरे बिखरा व्यक्तित्व''

हिन्दुस्तान, नयी दिशाएँ, 14 सितम्बर, 2004

30ण ''द्वन्द्व होगा दूर, नजदीक होगी दिल्ली''

दैनिक जागरण, जोश, 15 सितम्बर, 2004

31ण ''तंदुरुस्ती की ताली से खोलें तकदीर का बंद ताला''

हिन्दुस्तान, नयी दिशाएँ, 21 सितम्बर, 2004

32ण ''जब होगा मन एक, तब नाचेगी राधा''

दैनिक जागरण, जोश, 22 सितम्बर, 2004

33ण ''मुश्किलों में मुस्कुराने वाला पाता है मंजिल''

हिन्दुस्तान, नयी दिशाएँ, 05 अक्टूबर, 2004

34ण पूरी होगी साध, साधेंगे जब मौन''

दैनिक जागरण, जोश, 27 अक्टूबर, 2004

35ण ''किस्मत को कोसने के बजाय कठोर कर्म करें''

दैनिक जागरण, जोश, 10 नवंबर, 2004

36ण ''साधना से होते हैं सपने साकार''

दैनिक जागरण, जोश, 01 दिसम्बर, 2004

37ण ''कामयाबी की है चाह तो चुनें सही राह''

दैनिक जागरण, जोश, 29 दिसम्बर, 2004

38ण ''आत्मोन्नति के लिए करें आत्मालोचन''
हिन्दुस्तान, नयी दिशाएँ, 22 नवंबर, 2005

39ण ''कुछ ऐसा करें कि सपने नहीं मरें''
हिन्दुस्तान, नयी दिशाएँ, 10 जनवरी, 2006

40ण ''गर जाना है दूर तो बचें दोषारोपण से''
दैनिक जागरण, जोश, 03 मई, 2006

41ण ''खुशी–खुशी निभायें जिम्मेदारी''
दैनिक जागरण, जोश, 26 जुलाई, 2006

42ण ''सुन्दर चेतना बनाये विजेता''
दैनिक जागरण, जोश, 04 अक्टूबर, 2006

43ण ''पुरवा को पछुवा मार गयी''
दैनिक जागरण, जोश, 08 अगस्त, 2007

44ण ''तल्खी में तमाम होती जिंदगी''
दैनिक जागरण, जोश, 02 जनवरी, 2008

45ण ''गहरे पानी पैठ''
दैनिक जागरण, जोश, 31 दिसम्बर, 2008

46ण ''छोड़ो छोटी बातें, लिखो बड़ी कहानी''
दैनिक जागरण, जोश, 07 जनवरी, 2009

47ण ''बचें बाजार व विज्ञापनी माया से''
दैनिक जागरण, जोश, 14 जनवरी, 2009

48ण ''समय पाए तरुवर फले ...''
दैनिक जागरण, जोश, 11 फरवरी, 2009

49ण ''अकेला चना भी फोड़ता है भाड़''
दैनिक जागरण, जोश, 19 अगस्त, 2009

50ण ''निंदक नियरे राखिए ...''
दैनिक जागरण, जोश, 07 अक्टूबर, 2009

51ण ''रास्ता वही, जो मंजिल पहुँचाए''
सन्मार्ग, स्टूडेंट्स टारगेट, 27 फरवरी, 2008

52ण ''अगर उत्साह जवां है तो कदमों में जहां है!''
सन्मार्ग, स्टूडेंट्स टारगेट, 05 मार्च, 2008

53ण ''बनना है बुलंद तो खुद को खोजें''
सन्मार्ग, स्टूडेंट्स टारगेट, 12 मार्च, 2008

54ण ''सफलता के लिए चिंता नहीं, चिंतन करें''
सन्मार्ग, स्टूडेंट्स टारगेट, 19 मार्च, 2008

55ण ''साधना से साकार करें जीवन के सपने''
सन्मार्ग, स्टूडेंट्स टारगेट, 26 मार्च, 2008

56ण ''सफलता का मर्म, किस्मत अथवा कर्म''
सन्मार्ग, स्टूडेंट्स टारगेट, 02 अप्रैल, 2008

57ण ''चमका है सितारा गर्दिशों में हरदम''
सन्मार्ग, स्टूडेंट्स टारगेट, 09 अप्रैल, 2008

58ण ''सफल बनने के लिए करें पल–पल का सदुपयोग
सन्मार्ग, स्टूडेंट्स टारगेट, 16 अप्रैल, 2008

59ण ''जब ये दिल मांगे मोर''
सन्मार्ग, स्टूडेंट्स टारगेट, 23 अप्रैल, 2008

60ण ''तंदुरुस्ती की ताली से खोलें तकदीर का बंद ताला''
सन्मार्ग, स्टूडेंट्स टारगेट, 30 अप्रैल, 2008

61ण ''द्वन्द्व होगा दूर करीब होगी दिल्ली''
सन्मार्ग, स्टूडेंट्स टारगेट, 07 मई, 2008

62ण ''संयम से सँवरे बिखरा व्यक्तित्व''
सन्मार्ग, स्टूडेंट्स टारगेट, 14 मई, 2008

23ण समाचार पत्रों के माध्यम से छात्रों/प्रतियोगियों को कैरियर संबंधी परामर्श :

1ण ''कैरियर हेल्प लाइन''
दैनिक जागरण, पृ0–3, 04 फरवरी, 2006

2ण ''कैरियर हेल्प लाइन''
दैनिक जागरण, पृ0–3, 05 फरवरी, 2006

3ण ''कैरियर हेल्प लाइन''
''भाषा की शुद्धता पर विशेष ध्यान दें''
दैनिक जागरण, पृ0–4, 06 फरवरी, 2006

4ण ''भाषा की शुद्धता जरूरी''
दैनिक जागरण, 15 फरवरी, 2006

5ण ''कैरियर हेल्प लाइन''
दैनिक जागरण, पृ0–3, 06 जनवरी 2007

6ण ''कैरियर हेल्प लाइन''
दैनिक जागरण, पृ0–3, 07 जनवरी, 2007

7ण ''कैरियर हेल्प लाइन''
''प्रश्न के अनुरूप लिखें उत्तर''
दैनिक जागरण, पृ0–4, 08 जनवरी, 2007

8ण ''तैयारी राष्ट्र भाषा हिन्दी की''

दैनिक जागरण, जोश, पृ0–3, 17 जनवरी, 2007

9ण ''ऑन लाइन कैरियर काउंसेलिंग''

प्रभात खबर, पृ0–2, 22 अगस्त, 2007

10ण ''ऑन लाइन कैरियर काउंसेलिंग''

प्रभात खबर पृ0–2, 23 अगस्त, 2007

11ण ''ऑन लाइन कैरियर काउंसेलिंग''

प्रभात खबर, पृ0–2, 24 अगस्त, 2007

12ण ''ऑन लाइन कैरियर काउंसेलिंग''

''हिन्दी भाषा में भी रोजगार के कई अवसर''

प्रभात खबर, पृ0–4, 25 अगस्त, 2007

13ण ''कैरियर हेल्प लाइन''

दैनिक जागरण, पृ0–3, 28 अक्टूबर, 2007

14ण ''कैरियर हेल्प लाइन''

''तैयारी सामान्य हिन्दी की''

दैनिक जागरण, पृ0–4, 29 अक्टूबर, 2007

15ण ''कैरियर हेल्प लाइन''

दैनिक जागरण, पृ0–3, 12 जनवरी, 2008

16ण कैरियर हेल्प लाइन''

दैनिक जागरण, पृ0–3, 13 जनवरी, 2008

17ण ''कैरियर हेल्प लाइन''

''तैयारी राष्ट्रभाषा हिन्दी की''

दैनिक, जागरण, पृ0–11, 14 जनवरी, 2008

18ण ''भाषा की शुद्धता का रखें ख्याल''
दैनिक जागरण, जोश, पृ0–2, 23 जनवरी, 2008

19ण ''ऑन लाइन कैरियर काउंसेलिंग''
प्रभात खबर, 25 जनवरी, 2008

20ण ''ऑन लाइन कैरियर काउंसेलिंग''
प्रभात खबर, 26 जनवरी, 2008

21ण पाठ्यक्रम की बेहतर जानकारी रखें, अंकदायी विषय है हिन्दी''
प्रभात खबर, 28 जनवरी, 2008

22ण ''कैरियर हेल्प लाइन''
दैनिक जागरण, पृ0–3, 08 अगस्त, 2009

23ण ''कैरियर हेल्प लाइन''
दैनिक जागरण, पृ0–3, 09 अगस्त, 2009

24ण ''हिन्दी की बेहतर तैयारी खोल सकती है सफलता का द्वार''
दैनिक जागरण, पृ0–4, 10 अगस्त, 2009

25ण ''कैरियर हेल्प लाइन''
दैनिक जागरण, पृ0–3, 03 अक्टूबर, 2009

26ण ''कैरियर हेल्प लाइन''
दैनिक जागरण, पृ0–3, 04 अक्टूबर, 2009

27ण ''यूजीसी (नेट) परीक्षा : तैयारी हिन्दी की''
दैनिक जागरण, पृ0–4, 05 अक्टूबर, 2009

28ण ''सारगर्भित लेखन से मिलेगी सफलता''
दैनिक जागरण, जोश, पृ0–3, 16 दिसम्बर, 2009

29ण ''कैरियर हेल्प लाइन''
'प्रतियोगी परीक्षाओं में हिन्दी, कैसे हो बेहतर तैयारी'

दैनिक जागरण, पृ0 5, 15 अगस्त, 2015

30ण ''भाषा एवं वर्तनी की शुद्धता का रखें खास ख्याल''
दैनिक जागरण (जागरण जोश), 24 अगस्त, 2015, पृ0–11

24ण्मेरे द्वारा रचित पुस्तकों एवं संपादित पत्रिका 'विमर्श' की समीक्षा

1ण ''रामचरितमानस में शाप और वरदान''
''मानस के शाप–वरदान का सम्यक् अनुशीलन''
समीक्षकः डॉ0 सियाराम तिवारी
हिन्दुस्तान, सृजन, पृ0–9, 25 जनवरी, 2008

2ण रामचरितमानस में शाप और वरदान
समीक्षक : प्रमोद कुमार सिंह
दैनिक जागरण, सप्तरंग, पृ0–4, 21 जुलाई, 2008

3ण ''रामचरितमानस में शाप और वरदान''
''मानस की वास्तविकताओं का विश्लेषण''
समीक्षकः जगदीश नारायण चौबे
नई धारा, अप्रैल–मई, 2009, पृ0 170

4ण ''स्वांतः सुखाय''
''जीवन के विविध रंगों की छटा''
समीक्षकः अवधेश प्रीत
हिन्दुस्तान, रीमिक्स, पृ0–4, 14 दिसम्बर, 2008

5ण ''गहरे पानी पैठ''
''जीवन कला की व्यावहारिक शिक्षा''
समीक्षकः डॉ0 रवीन्द्र राजहंस
हिन्दुस्तान, रीमिक्स, मयूरपंख, पृ0–6, 24 जनवरी, 2010

6ण ''गहरे पानी पैठ''
''जीवन की दिशा दिखलाने की कोशिश करता गहरे पानी पैठ''
समीक्षक : डॉ0 राजीव रंजन शुक्ल
दैनिक जागरण, जागरण सिटी, पृ0–3, 26 मार्च, 2010

7ण विमर्श–2007
''रचनात्मक प्रतिभा का एक संग्रहणीय अंक''
समीक्षक : डॉ0 सियाराम तिवारी
हिन्दुस्तान, सृजन, पृ0 9, 01 फरवरी, 2008

8ण विमर्श–2009

''एकखबर''

दैनिक जागरण, जागरण सिटी, पृ0 2, 31 जनवरी, 2010

9ण विमर्श–2009

''एक समीक्षा''

हिन्दुस्तान, रीमिक्स, मयूरपंख, पृ0–4, 21 फरवरी, 2010

25णहिन्दी साहित्य को योगदान :

1ण हिन्दी साहित्य के एक प्रमुख ग्रंथ 'रामचरितमानस' का सारा ताना–बाना विभिन्न शापों और वरदानों से बुना गया है । शाप और वरदान किस प्रकार अनन्त संभावनाओं के प्रस्फुटन में, व्यक्तित्व के सम्यक् विकास एवं समुन्नयन में, नीतियों–मूल्यों एवं मर्यादाओं के निर्धारण–संस्थापन एवं संरक्षण में भूमिका निभाते हैं– अपनी पुस्तक 'रामचरितमानस में शाप और वरदान' से पहली बार मैंने हिन्दी जगत् को इस तथ्य से परिचित कराया है । रस एवं रेचन सिद्धान्त, दण्ड एवं पुरस्तकार सिद्धान्त, उद्धार की अवधारणा एवं अवतारवाद की भिन्न–भिन्न कसौटियों पर रामचरितमानस में शाप और वरदान का परख एवं मूल्यांकन कर मैंने हिन्दी साहित्य को नये सोच से समृद्ध किया है। न केवल रामचरितमानस में, बल्कि अन्यान्य ग्रंथों में, यहाँ तक कि विश्व साहित्य में भी शाप और वरदान के क्या स्वरूप, हेतु, प्रभाव व परिणाम रहे हैं, इसको प्रकाश में लाने का प्रयत्न किया गया है ।

2ण अपनी पुस्तक 'संतकाव्य और बिहार' के माध्यम से हिन्दी के संतकाव्य एवं विशेषकर बिहार के संतकाव्य पर सर्वथा नूतन ढंग से विचार किया गया है । यह विचार पूर्व से चली आ रही अनेक मान्यताओं, मानदंडों एवं भ्रमों को समाप्त करनेवाला है । इस पुस्तक में बिहार के पचास से अधिक संतकवियों पर प्रकाश डालते हुए उनके महत्त्व व मूल्यांकन को रेखांकित किया गया है । यह एक ऐतिहासिक कार्य है । आगे जो भी व्यक्ति उक्त विषय पर कार्य करना चाहेगा, उसे यह पुस्तक सम्यक् सहायता पहुँचाएगी, ऐसा मेरा विश्वास है ।

3ण अन्य पुस्तकों तथा अनेक शोध–आलेखों में नये व अछूते विषयों पर मौलिक ढंग से जो प्रकाश डाले गये हैं, वे भी हिन्दी साहित्य को समृद्ध करने वाले हैं ।

26णविशेषज्ञता :

आलोचना, हिन्दी साहित्य का इतिहास (भक्तिकाल, विशेषकर संत साहित्य व तुलसी साहित्य), पुस्तक–समीक्षा, पाठ्यक्रम में निर्धारित गद्य–पद्य की पुस्तकीय समीक्षा ।

27ण्स्थायी पता :

कमलावती– केतन

आदर्श कॉलोनी, रोड न0 – 3

(गोलकी मोड़ के पहले), खेमनीचक,

पटना– 800 027 (बिहार)

पटना, .../...../..... .....

(श्रीकांत सिंह)